(3)
(26)

17×11½

M-99

भगवान
श्रीकृष्णचन्द्र
की
( नित्यलीला )
( गो. हरिरायजी कृत )
पत्र-२३
१९ वी शदी

श्रीगणेशायन श्रीगणेशायनमः।
प्रश्नपरक्षा

॥श्रीकृष्णायनमः॥ ॥श्रीहरिरायजीकृत
नित्यलीलालिष्य ते ॥ प्रातसमैउठीब्रजबाला
गावतमंगलगीतरसाला । करसिंगारमथनिया
धोवै । भोरभोरसबदीपसंजोवै । मथनकरैमोह
नजसगावैसुमिरसुमिरमनगुनसुषपावैमा॥
षनमिसरीदहीमिठाई । ल्योटयोइधककपूररमि
लाई कछुकमनोरथकेपकवानथारसजेल्म
तिस्कंदवानें । एवंसनन्नूपनदहरिलाइक लेचली

नि॰ली॰ स्कंदरस्कपदाइक। स्कंदर आलीरिवलोना।
१ लीनेविविधुमनोरथमनमेकीने। उभोवाल
खिरकनकोरवले। आलि आतुरगाइगाइन
सोमि[illegible]लेटरकरस्कस्नीस मधाई। कारीपी
रीधारीआई। काजरधूमरिनैनमेजीठीस
बगुनपूरनसैवआनीठी॥ घंटाईनादकर
तसवडाले। आपनेआपनेवछरनबोलेस १
खनारविरकनमेसोहे॥ श्रवनस्कननतसब।

कोमनमोहै ॥ मंगलश्ताहृकाननजवपस्यो सक
लसाजकरमेलेधस्यो याविधिघरघरसैंसवव
ली नंदनंदनकोदेषनआली । रूपसेज्यो
कोरहहरिराइ वारंवारजसोदामोइ फांकफा
करिफिरकेआवे कमलनैनकोनाइजा
गावेताहीसमेआईब्रजवाला । मानोमतगय
दकीचाला । नूपुरकीधुनसुनब्रजराईचोक
व उठेतवकुवेरकेंन्हाई । निकरआईतवजस

नि.ली. ममभाई। वंदैनदेषनवलेनवलाई। विष्ठुरीञ्च
२ लकलवषरीवाग॥ यीककथोलष्ठुपञ्चञ्च
नलाग चंदनउरयरविनगुनमाल चूषनइ
नवितयरमरमाल येसोभानिरखतञ्जव
ला॥ रसमसेनैनदेषेनंदलाला॥ जसमला
धाइउसंगलिए चुंववूदनउरसीतलकिएमं
गलनागञ्चानकेराषो॥ श्रीगिरधरलाल २
स्वादसंचायो॥ माघनमिश्रीमानवविवो

धोरीकौंयचअतिसंप्यावे ॥ दधिकीछ्यारल
गीतनसोहै ॥ मानोउडगनअंबरअ्योहै ॥ दधि
लपरानोसुषजसकमतदेषो ॥ अपनोजन्म
सफलकरलेषौयौंछवरनअंवलसंजोवे
रंचकुजमनाजलसंधोवै ॥ उनअचवाइष
वावतवीरी ॥ सकलसाजसजिजईअहीं
६ री ॥ मंगलाकिआरतीउतारी ॥ सोनादेष
प रहीव्रजनारीकनकथारवेगोमनमोहनैला

नि॰ली॰ गरहीजसकमतिन्त्रतिगोहन॥ कोऊहरि
२ कूंनेजनगावै॥ चरसतत्र्यंगयरमसफपया
वै॥ कोऊत्र्यंगउयरनोकरै॥ कोऊवैनी
करमेजेगरै॥ ताऊयरंउनकंगईकरै। को
ऊकनकघटजलजेरहे॥ कोऊपदत्र्यमृ
तलेगदेकोऊजलसंस्नानंकरावै॥ त्र्यंग ग
वस्त्रकरयरमसफघयाषेकोऊतनियात्र्यं २
सर ४ गपदहरावे॥ कोऊस्तथनैंसवनावै॥ कोऊ

वागायरकोकोकरेकोऊवक्रविधनूपनधरे
कोऊस्फरंगकुलहधरावेसीस ॥ पांगवंधीवश्री
गोकुलईस ॥ तुमतोहोब्रजराजलेडेते ॥ सव
सषानमेगुननवडेते ॥ मोरसंडिकागुंजाहार
सवब्रजजुवतिनकेप्रानअधारतुहमैंपमाल
लेकंठधरावे ॥ संकेतसदनकोठोरवतावें त
नजरितकरमुरलीदई ॥ मोहनप्रेमप्रीतम
मोलई ॥ जवआईब्रषभानडजीछविघ

नि॰ली॰ रवारेकोरिकनारी ॥ हठकरिहरिसृंगार-
४ करावे ॥ वक्रविधनूपनवसनवनावे अंजन
देगकेसरकी आडसवजुवतिनमेलाडलीला नXII
नपसिषलौसृंगार[illegible]करायो देषगुपालय
रमरूपपायोवक्रमेवाउरवक्रतमिगाईम २
तजसोमतिगोदननराई सनमुषआइरही
वुर्जेनारी ॥ दर्पनदेयोकुंजविहारीवेसोश्री ४
मुषकमलनिहारे ॥ हरिराधेविधुवदननि-

हारे ॥ मानोमधुपकमलरसचाखो ॥ नाजानो
कछुअमृतनाखो ॥ सोनानिरषेँब्रजनारीद
सहसदेसवरस्परतारी ॥ गोपीवहनजोगजो
धर्‍यो ॥ सोलोनवननवनश्रतिकर्‍यो ॥ पूरीद
हीसंधानोसाग ॥ मायनवूरावक्रविधपाग स
वहिनकेमनरंजनकारन ॥ प्रेमसहितलीये
मनभावन ॥ जोगसराइवीडाजबदीनेविवि
धमनोरथमनमेकीनेमनसाघूरननंदकुमार

निरषि

नि.ली.
५
गारेहैजसमनकेवारमैयामथमथघैयाम १
वै॥ वारवारहरञ्चंचलजावै॥ वेनीवदेलाल
पयपीजे॥ इतनोकहोहमारोकीजे॥ धोरी
कौपयपरमरसाल॥ सातघूंटजोपीजेला
लवाढीरहीरोहिनीरानी॥ सीढीवातकही
मनमानी॥ खीरसिरातस्वादनहिआवे॥ ग्रो
सदोइसुघमेलञ्चोटुनावे॥ इहविधलाल ५
नैनोजनकीनो॥ तवमैयाखिजोनादीनो॥

खेलतफिरतसखासंगलीने ॥ घिरकखोरगेवा
रंगभीने ॥ ज्ञातिश्रीनजसमतकोप्तता स
वहिनकेमनलीनोभूलचोरीकरीसबवनस्रुथदे
त गोपिनकोसर्वसहरलेत ॥ करिसंकेतबुला
ईगोपी ॥ ईतनीसबवनमर्यादालोपी ॥ सबसखी
नमेकियोमनभायो ॥ ताकारनघ्रजमे
ज्ञायो ॥ जसमतसखियनसंगबुलावे ॥ क
मलनेनकोकंठनपावे ॥ देखोरीगुपालकंहा

नि.ली.
६

धोषेलतजाइकहेमातातोयवोलैत॥ भोजा
नकोवेठेनंदराईतुमसंग॥ भोजनकरोजोआ
ईजवजानीमैयाकीप्रीत॥ आइरहेगिरधर्न
क्षमीत॥ आइवैठेकनकसिंघासनपर॥ श्री
नंदराइजूपकरेकरसंकर॥ कनकवरनका
रीजमुनाजल॥ नरिरीनीजस्कमतिमनउजल
पनवास्योजोस्योविस्तार॥ तापरधरेकनकके ६
थार॥ वेंजनाकोटमोरेधरे चमचारतनजडित

तहंधरे । अगरक्षूपकीनोतागोर ॥ हितस्वचतु:
जीलीनेकीर ॥ अतिक्षगंधचामरकोनात ॥
आनधस्योहे जसकमतिमान गोहंगग असद
रवनाई ॥ जाकेपासकवीले आई ॥ मिरवनके
व कीनेवैंजसागहितसोरोहिनकीनोपाग ॥ मिच
रमनातदही कोनात ॥ पाटेओरवडीकोना-
त ॥ तीनजातकीतोरीकरी नरसावेगनचकती
करी ॥ आरवीस्तरनसेवजेधरी ॥ करेलामुरेला

कंगोराकरे॥खंडराखंडवीगजनकाभुरेसकर
कंदकोमीटोसाग॥ पेखाकोमिस्सरीमैयाग॥रा
इलेकीकीनीवङ्कनंनत॥ संधानेकीकीनीया
त॥विन्साम्हजोकियोवनाइ॥ जेमतहरि
कोमननन्त्रघाइ॥ नंतिनंतिकीकचरिया
करी॥वङ्कतनंनतकीनाजीधरी॥विंजनेवा
ङ्कविधगिनेवजाइ॥ वारंवारजसोदाजुलाई
रोटीलीटीखुरीकरी॥मीसीरोटीघीसनरी॥ ७

माषनवूरापासधराए ॥ तुवैईलोसिषरनसूंषाए च
सेववुक्तनवूरासंकरी ॥ सोतोपासनिकंदलेधु
रीवडामगाकेसंकंदरकीने ॥ तीनकूरासंत्र्यानि
रंगनीने मेयामोकूसिषरनन्नावे । डवरानस्नि
वे x रिरोहिनीलावे ॥ सैनीअतिसौंलानरे ॥ सोतो र
नातसिषरपैक्षुरे ॥ त्र्योटेइधरहीकेवेलामीटे ।
त्र्यामससंकंदरकेला । त्र्यांवाकोसीराजोकीनोसे
तोहरिजनसंगविसोलीनो ॥ षरवूजान्त्र्यसत्र्यालो

नि.ली. मेवा॥ यह विधमालजंसोमलकीनीसेवा॥ छो
८ कोमगायरमसुखदाइक॥ सोतोकेवलेहरिजू
लाइक॥ इह विधलालनभोजनकीनो॥ मा
तलालकोअतिसुखदीनो॥ करआचमन
गएआगनमे॥ अतिसुगंधवीडाआनंदमे
वीडावजूदीने॥ सोतोवारसवनकोदीने॥ घा
गविचित्रकुंदकीमालाले आईजसमतीयह ८
रीनंदलालां॥ करमुरलीउरवेनगवाईओजव

नितादेषयरमसरूपपाई॥ नीरांजनवङ्गविधकी
नोश्रीमुषनिरषवारनोलीनोजोजोहरिनोज
नकेरि आवैतोजोसषाकुंजमेधावै॥ सषी
सहचरीकुंजचनावे मोलीनरनरवङ्गपमः
गावे फूलनकीसेय्यावयवरचे॥ तकियागे
दनफूलनषवैसेजवंधलफूलनकेकर रंगरं
गफूलनसोम्नरेफूलनकेमहलफूलनकेचो
वारेफूलनकेकलसाऋतिम्नारे॥ फूलनकी

नि.ली.
९

वोकीलेकरै तापर करवा कुंजा धरे ॥ आंगरा
गकेवेलानरैं ॥ अतिसगंधबीडानहंधुरैं ॥
फूलनकीमालालेकरे ॥ सोतोप्यारीउरप-
रधरे ॥ फूलनकेयंखालेआवे ॥ सोतोकम
लनेनकूंनावे योदपियप्यारीकेसंग ॥ वि-
विधनातवुरसतरसारंग ॥ बोतनंतपिय हो
केसंगखेले ॥ रसमर्यादीलेसवपेले ॥ अमक ९
नस्नना आंगपर आई ॥ योदपियश्रीकुव

वरकन्हाई जाअंधरिमैमहस्वरीदेषे ॥ अय
नोजनमस्फफलकरलेषे ॥ सकलपदारथ
आगेधरे ॥ विविधमनोरथमनमेकरे ॥ धंदा
नादनएवझवोर झांखनादधुनिजईसवगोर
धुनिस्फनश्रीगोवर्द्धनधरजागेमानोप्रेमसिंधु
मेयागे ॥ काकडीवीजआरसवोवापना ॥ केल २
आमलपरवूफाघना ॥ कंदमूलफलना
जननरेसोलेकुंजसनदनमैधरे ॥ गोपअघानी

नि॰ ली॰ १० स्वरनीद्देषे॥ फेरनमनसाद्गुजमेलेषवेरुपवे
त्रलेउकुवरकन्हाई॥ व्रजवगिलाद्देषवरम
रुपपाई॥ आगेगेगाधुनपाछेगाइमाघ्रविरा
जेश्रीगिरधरलाल॥ गोरजमंडलघुरंघुरेके
रासोभितहे आतिसुंदरदरवेश॥ वनमा
लागुंजाफलगरेगोरीरागवेनमेकुरे॥ गोवि
दगोपिनकोमनपदीनोकछुकमनोरथमन १०
मेकीनो॥ व्रजवनितान्आईचहुकोद॥ देस

तश्रीमुषमनईश्वमोर॥ अतीविरहसवव्रजकी
वाल॥ घेरिलिएमदनगुपाल॥ नंदनवनगा
डेहेजाइ॥ अतिप्रेममुदितनईजसमतिमा
इ॥ करसकारगए आगेनैकरसंकेतगएया॥
छुते॥ संध्यानोगहेजाकोनाममोतालीनोवा
हीगाम॥ विविधभांतिआरतीउतारी॥ क
क रीमेलईकनंकीथारी॥ नीतसनवनपधारो॥ प
जाल॥ आइसुरीसवव्रजकीवाल॥ कोऊतो

नि॰ ली॰ सिंगारवटावे॥ कोऊजनक्रलेललेआवे॥
११ कोऊमर्ह्नमंजनकरे॥ अंगवसनलेआगे॥
धरे॥ सहजसिंगारकियेतनसोभित॥ देषत
त तनमनअतिसैलोभित॥ कंधवेत्रकरलि॥
ए॥ हरित्रूबिरकनमाइजुगये॥ धोरीधूमरि
गांएवुलाई॥ कारीपीरीधोरीआई॥ यह
लोनिजनकनसंकेत॥ इहविधलालवोलेले ११
हो त॥ वौंतनांतिहरिदोहारीकरे॥ सवनाज॥

भैरेरससूंनैरे ॥ ग्वालन्नोगकीनोरसरीतवृज
वृनिताकीजानीप्रीत ॥ सबविधिइनकोकि
योमनन्नायो ॥ फिरगुपालफिरमंदिरन्नाा
यो ॥ जसुमतिन्नोजनकीनेसाज ॥ बेगयधा
रोमोहनआजाजेजमुनाजलसूंकारीनरी ॥ सो
उवाइहरियासैभरी ॥ दोऊनैयान्नोजनको
आएजसुमतकनकथारसवरजाएदारन्नात
मिस्वनकोसागहितसोरोहिनीकीनोयागआो

नि. ली.
१२

ज्यो इधुघनो मो हिनो वै ॥ उवरा नरि नरि रोहि
नी ला वै ॥ ज्यो युइधक सूर मिलाई ॥ उवरा
नरि के रोहिनी लाइ इच्छा नो जन करि सुषवा
९ ॥ तवरा नी आचमन करा ९ ॥ आतिसुगं
धु बीडा मुष करी ॥ धूह्य मान लै कंगे धरी ॥
करि आरती ॥ श्री मुष जव देषो ॥ आपनो
जन्म सुफल करलेषो ॥ सुवकछु नकछुगरि १२
या गहे ॥ मात जा सो दास व सुषपल है ॥ सुषसे

ज्यायो रे हरिराय॥ चांपनचुरनजसो दामाड॥
गंतनंतकीकंदांनीकहै॥ हरिझकारो फि
रफिरदहेनिसलीलाकोकेसेकहै॥ सोतोनि
जजनमनमेजहै॥ नंदनवनकीलीलाकहै॥
मनसंदेहधरिसवकरूपजहै श्रीगोवर्द्धनधरकी ली
लागावे॥ मनसंदेहधरिसवकरूपपावे॥ ॥
इतिश्रीहरिरायकृतनिस्यलीलासमाप्त॥ ॥
॥श्रीस्कृत॥ ॥श्री॥ ॥श्री॥